में अपने-अपने विद्युत् क्षेत्रों के विभिन्न राज्यों को लाभ पहुंचाएंगे तथा अपने-अपने क्षेत्रों में विद्युत् संसाधनों का इष्टतम समुपयोजन करेंगे। इस नीति के अनुसार इस समय पश्चिमी क्षेत्र में मध्य प्रदेश में बिलासपुर जिले में कोरबा सुपर ताप विद्युत् केन्द्र का विस्तार करने के लिए केन्द्र सरकार को राष्ट्रीय ताप विद्युत् निगम से जो कि सरकारी क्षेत्र की एक यूटीलिटी है, एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय ताप विद्युत् निगम ने छिन्दवाड़ा जिले में पेंच घाटी क्षेत्र में एक नए ताप विद्युत् केन्द्र के लिए अपेक्षित अन्वेषण करके व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने का कार्य भी हाथ में लिया है।

(ख) कोरबा विस्तार स्कीम की प्रतिष्ठापित क्षमता 1000 मेगावाट करने की योजना है अर्थात् 500-500 मेगावाट के दो यूनिट तथा पेंच घाटी क्षेत्र में प्रस्तावित परियोजना की प्रतिष्ठापित क्षमता प्रारम्भ में 630 मेगावाट की योजना है।

(ग) कोरबा विस्तार परियोजना की स्वीकृति के लिए कार्रवाई केन्द्रीय सरकार में प्रारम्भ हो चुकी है। पेंच घाटी परियोजना पर विचार इसकी व्यवहार्यता रिपोर्ट प्राप्त होने पर किया जा सकेगा।

(घ) कोरबा विस्तार परियोजना के दो यूनिटों की व्यवहार्यता रिपोर्ट के अनुसार इन यूनिटों को क्रमश: वर्ष 1987-88 तथा 1988-89 में चालू करने की योजना है। पेंच घाटी क्षेत्र में स्थापित किए जाने वाले विद्युत् केन्द्र को चालू करने की समय-सूची व्यवहार्यता अध्ययन पूरे होने के पश्चात् ही बनाई जा सकेगी।

(ङ) कोरबा विस्तार परियोजना पर 407.81 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। दूसरी परियोजना पर होने वाला संभावित व्यय अभी निश्चित नहीं हुआ है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण को, मध्य प्रदेश बिजली बोर्ड से निम्नलिखित ताप विद्युत् परियोजनाओं की व्यवहार्यता रिपोर्टें भी प्राप्त हुई हैं।

(1) वीरसिंगपुर ताप विद्युत् केन्द्र (2×210 मेगावाट)।

(2) विन्ध्याचल (सिंगरौली) (2×500 मेगावाट)।

(3) पेंच ताप विद्युत केन्द्र (2×210 मेगावाट)।

इनमें से वीरसिंगपुर ताप विद्युत् केन्द्र को तकनीकी आर्थिक स्वीकृति केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण ने 27-5-1980 को दे दी है। इस परियोजना की दो यूनिटों को क्रमश: 1986-87 तथा 1987-88 के दौरान चालू करने का कार्यक्रम है और इसकी कुल अनुमानित लागत 232.43 करोड़ रुपये है।

अन्य दो स्कीमों की तकनीकी-आर्थिक जांच अभी पूरी नहीं हुई है।

**सरणी में सुपर तापीय बिजली केन्द्र**

3409. **श्री प्रताप भानु शर्मा :** क्या ऊर्जा और कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरणी, मध्य प्रदेश में गत वर्ष एक 400 मेगावाट क्षमता के एक सुपर तापीय बिजली केन्द्र का उद्घाटन किया गया था ;

(ख) क्या यह सच है कि उक्त एकक में अभी तक बिजली का उत्पादन शुरु नहीं हुआ है ;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(घ) क्या केन्द्र सरकार अथवा राज्य सरकार ने इस बारे में एक उच्च स्तरीय जांच कराने का निर्णय किया है ?

**ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विक्रम महाजन) :** (क) सतपुड़ा (सरणी) ताप विद्युत केन्द्र में 210 मेगावाट का एक यूनिट पिछले वर्ष चालू किया गया था और इसका उद्घाटन जुलाई, 1979 में किया गया था।

(ख) जी, नहीं।

(ग) प्रश्न नही उठता।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

**मध्य प्रदेश को मध्यम और बड़ी सिंचाई योजनाएं**

3410. **श्री प्रताप भानु शर्मा :** क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश के ऐसे जिलों की संख्या कितनी है जहां की मध्यम और बड़ी सिंचाई परियोजनाएं कौन-कौन सी हैं जो केन्द्रीय सरकार के विचाराधीन है ;

(ख) ऐसे जिलों और योजनाओं के नाम क्या हैं ; और

(ग) इनका अनुमोदन कब तक दिये जाने की संभावना है ?

**सिंचाई मंत्री (श्री केदार पाण्डेय) :** (क) और (ख). इस समय ऐसी 4 बृहद और 2 मध्यम सिंचाई परियोजनाएं केन्द्रीय सरकार के विचाराधीन हैं, जिससे मध्य प्रदेश के 8 जिलों को लाभ पहुंचेगा। एक विवरण संलग्न है, जिसमें इन स्कीमों और